# विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

## शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत 10 अक्टूबर 2020

वर्ग षष्ठ राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

नवमः पाठः

आज्ञाकारी शिष्यः (लङ् लकार)

कस्मिंश्चित् वन प्रान्ते एकः आश्रमः आसीत्।

किसी जंगल में एक आश्रम था।

तत्र एकः आचार्यः अवसत्।

वहाँ एक आचार्य रहते थे।

तस्य एकः सुयोग्यः आज्ञाकारी शिष्यः अपि अतिष्ठत्।

उनका एक योग्य आज्ञाकारी शिष्य रहता था।

आश्रमे एकदा अतिवृष्टिः अभवत्।

आश्रम में एक बार बहुत जोर से वर्षा

आचार्यः स्वप्रियं शिष्यं आराणिं अवदत् - प्रिय शिष्यः।

आचार्य ने अपने प्रिय शिष्य आरुणि से बोले- प्रिय शिष्य।

क्षेत्रं गत्वा जलस्य अवरोधं कुरू।

खेत जाकर जल को अवरूद्ध करो।

आरूणिः क्षेत्रम्  आगच्छत्।

आरूणि खेत गया ।